>

Title: Regarding immediate construction of Border Roads.

श्री सतपाल महाराज (गढ़वाल): महोदय, मैं आपके माध्यम से सदन का ध्यान सीमांत राज्यों जैसे जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, अरूणाचल प्रदेश और उत्तराखंड की तरफ आकर्षित करना चाहता हूं। उत्तराखंड एक ऐसा पहाड़ी राज्य है, जिसकी सीमाएं दो पड़ोसी देशों चीन और नेपाल से लगती हैं। अतः सुरक्षा की दृष्टि से यह एक अति महत्वपूर्ण राज्य है। यदि ऊंची पहाड़ियों पर सुगम यातायात की दृष्टि से देखें, तो चीन ने तिब्बत के लासा तक रेलवे लाइन पहुंचा दी है एवं साथ के सीमा क्षेत्र में सड़कों का जाल बिछा दिया है। इस बात को सरकार द्वारा गंभीरता से लेना चाहिए और सीमांत क्षेत्रों में भी सड़कों का निर्माण पहली प्राथमिकता के आधार पर किया जाना चाहिए, जिससे हमारी सेना का आवागमन एवं उनको भेजी जानी वाली रसद, आयुद्ध एवं खाद्य सामग्री किसी भी आपात स्थिति में त्वरित रूप से पहुंचाई जा सके। बीआरओ काट 4500 करोड़ रुपए का जो बजट है, उसमें से केवल 2200 करोड़ रुपया ही खर्च हुआ है।

अतः मेरा आपके माध्यम से केंद्र सरकार से अनुरोध है कि इस तरफ विशेष रूप से ध्यान केंद्रित कर सीमांत क्षेत्रों में अविलम्ब सड़कों का निर्माण कराया जाए।